सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का द्वादश पुष्प आपके कर कमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोध लेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं व शोध संस्थान द्वारा आयोजित किये गये कार्यक्रमों के चित्रसहित विवरण प्रकाशित किया गया है।

इस अंक का प्रकाशन विशेषांक के रूप में किया जा रहा है। इसमें महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित शोध संस्थान एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला के कतिपय व्याख्यानों की भी प्रस्तुति हुई है। इनमें प्रथम व्याख्यान भारतीय विद्या मनीषी पं. अनन्त शर्मा का है, जिसमें रामायण को आधार-मानकर रचित परवर्ती ग्रन्थों की भ्रान्तियों का निवारण मुख्य लक्ष्य रहा है।

द्वितीय लेख डॉ. रामदेव साहू का है, जिसमें रामायण को आधार मान कर रचित परवर्ती काव्यों का निरूपण किया गया है, तृतीय लेख के रूप में श्रीमती शशिप्रभा स्वामी का ज्योतिषविषयक लेख का शेषांश है। तथा अन्त में डॉ. दयाराम स्वामी द्वारा संकलित गुरुमंत्र की महिमा वर्णित है।

आशा है सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्व हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

सम्पादक
डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा